

होsss बन्दे न कर तू अभिमान

होsss बन्दे न कर तू अभिमान

लख चौरासी- सहज न समझोsss

भोगे कष्ट महान- ॥२॥ होsss बन्दे---

बड़े भाग मानुष तन पायाsss

जाने सकल जहान- ॥२॥ होsss बन्दे---

ब्रम्ह लोक से आये प्राणीsss

दिला रहा हूँ ध्यान- ॥२॥ होsss बन्दे---

पुण्य कर्म का उदय हुआ जबsss

मिला फक्कड़ी ज्ञान- ॥२॥ होsss बन्दे---

देख हरि बैठे तेरे भीतरsss

इनको तू पहिचान- ॥२॥ होsss बन्दे---

कूच किया दुनियाँ से तेरीsss

हैं "श्रीबाबा श्री" मस्तान- ॥२॥

होsss बन्दे---